*मैं भाग्य में बहुत विश्वास करता हूं और देखता हूं कि जितना कठिन काम मैं करता हूं, उतना ही सौभाग्य प्राप्त करता हूं।*

-थॉमस जेफरसन

# साइंस कम्युनिकेशन

## बेहतर मौकों की उम्मीद का कोर्स

**साइंस कम्युनिकेशन के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की आज जबरदस्त मांग है क्योंकि न्यूज फील्ड में विज्ञान और इसके टेक्निकल शब्दों को सही तौर पर समझने वाले लोगों की संख्या काफी कम है। इस फील्ड में वही सफल हो सकता है जो विज्ञान की दुनिया में रुचि रखता हो। चूंकि विज्ञान हमारी जिंदगी से काफी गहरे तक जुड़ा है, इसलिए इस विषय की बारीक बातों की जानकारी विज्ञान से जुड़ा जर्नलिस्ट या राइटर ही दे सकता है**

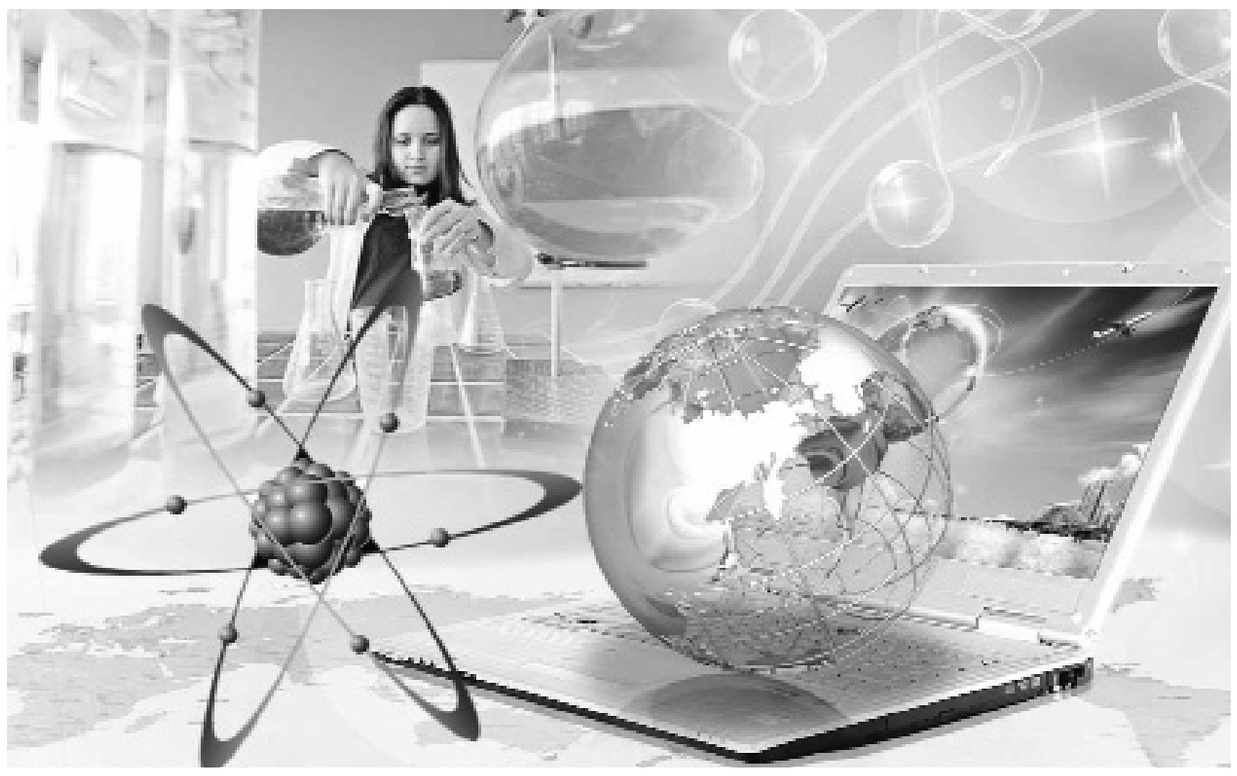



यदि आपकी साइंस में रुचि है और आप लोगों से अपनी बात शेयर करना चाहते हैं तो साइंस कम्युनिकेशन के क्षेत्र में आप करियर बना सकते हैं। साइंस कम्युनिकेटर का रोल विज्ञान और उसकी भाषा को सामान्य लहजे में बयां करने का है। यानी साइंस कम्युनिकेटर वैज्ञानिक खोज और उससे जुड़े टेक्निकल लैंग्वेज के बीच सेतु का काम करता है। आज के दौर में सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में साइंस कम्युनिकेटर की मांग जबरदस्त रूप से बढ़ी है क्योंकि विज्ञान की अहमियत हर रूप में सामने आ रही है।

एक ओर जहां अंतरिक्ष विज्ञान हर दिन नयी संभावनाओं की तलाश कर रहा है, वहीं समुद्र विज्ञान नई गहराइयों में जाकर समुद्री जीवन के नये पहलुओं को सामने ला रहा है। मौसम विज्ञान किस तरह हमें प्राकृतिक आपदाओं से लेकर बारिश की जानकारी देता है, यह किसी से अछूता नहीं है। इतना ही नहीं, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान आदि में भी नित नयी खोजें हो रही हैं। साथ ही, उन्हें जानने-समझने में आम लोगों की रुचि काफी बढ़ रही है।

इस फील्ड में प्रशिक्षित साइंस जर्नलिस्ट, कम्युनिकेटर, राइटर और रिपोर्टर की भारी मांग है। इस फील्ड में वही सफल हो सकता है जो विज्ञान की दुनिया में गोते लगाने में आनंद प्राप्त करता है। चूंकि विज्ञान हमारी जिंदगी से काफी गहरे से जुड़ा है, इसलिए इस विषय की बारीक बातों की जानकारी विज्ञान से जुड़ा जर्नलिस्ट या राइटर ही दे सकता है। भारत में ही साइंस जर्नलिस्ट को प्रशिक्षित करने का काम विभिन्न संस्थानों के अलावा केंद्र सरकार के अधीन कार्य कर रहे विज्ञान और तकनीक विभाग ने आरंभ किया है। इसके अलावा और भी कई संस्थान हैं जहां शॉर्ट टर्म और लांग टर्म कोर्स की पढ़ाई होती है।

देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इंदौर के तहत चल रहे विभाग सेंटर ऑफ साइंस कम्युनिकेशन दो वर्षीय मास्टर ऑफ साइंस प्रोग्राम साइंस कम्युनिकेशन में संचालित करता है। इसी तरह लखनऊ स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी भी मास्टर डिग्री का कोर्स छात्रों को उपलब्ध कराता है। इसके अलावा, नेशनल काउंसिल फॉर साइंस म्यूजियम भी बिट्स, पिलानी के साथ कोलैबोरेशन कर कोलकाता में दो वर्षीय साइंस कम्युनिकेशन का कोर्स चलाता है। इंडियन कम्युनिकेशन साइंस सोसाइटी, लखनऊ में इससे संबंधित सर्टिफिकेट कोर्स भी है। भोपाल स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय में भी इस विषय से संबंधित डिग्री संचालित की जाती है।

### कोर्स

शॉर्ट-टर्म कोर्स एक से दो हफ्ते के होते हैं जबकि मीडियम टर्म कोर्स की अवधि एक-छह माह की होती है। इसमें ग्रेजुएशन के बाद एडमिशन लिया जा सकता है। साइंस कम्युनिकेशन में एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स भी विभिन्न संस्थानों में संचालित हो रहे हैं। साथ ही, मास्टर डिग्री करने के लिए अभ्यर्थी के पास स्नातक की डिग्री अवश्य होनी चाहिए।

### गुण

इस फील्ड में आप तभी आगे बढ़ सकते हैं जब आप विज्ञान की बारीक चीजों से अवगत हों। मसलन रडार कैसे काम करता है, कौन-सी गैस का वातावरण पर किस तरह का प्रभाव पड़ता है, रोबोट किस तरह काम करते हैं या आर्टिफिशल इंटेलीजेंस क्या है आदि। विज्ञान विषय में कई शब्द ऐसे होते हैं जिनका इस्तेमाल आमतौर पर नहीं होता, इसलिए उन शब्दों को समझाने के लिए दूसरे शब्दों का इस्तेमाल करना पड़ता है। ऐसे में, आप टेक्निकल शब्दों के साथ-साथ आम भाषा के बीच जिस हद तक तारतम्य विठा पाएंगे, इस फील्ड में उतने ही सफल होंगे।

### कार्य

साइंस कम्युनिकेशन से संबंधित कोर्स करने के बाद साइंस सेंटर, साइंस म्यूजियम एंड एक्जीविशन, साइंस ब्रॉडकास्ट, साइंस मैगजीन और प्रिंट पत्रकारिता में साइंस बीट पर कार्य कर सकते हैं। यदि आपको निजी संस्थानों में कार्य करना पसंद है तो आप किसी समाचारपत्र या न्यूज चैनल में बतौर साइंस रिपोर्टर कार्य कर सकते हैं। विज्ञान से जुड़ी पत्र-पत्रिकाएं भी काफी संख्या में प्रकाशित होती हैं, उनसे जुड़कर भी बतौर फ्रीलांसर काम कर सकते हैं। यदि आपको फीचर लेखन में मजा आता है तो विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के लिए विज्ञान पर फीचर लेख लिख सकते हैं।

■ विनीत

### संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन एंड इनफॉर्मेशन रिसोर्स (एनआईएससीएआईआर), नई दिल्ली
www.niscair.res.in

डिपार्टमेंट ऑफ जर्नलिज्म एंड साइंस कम्युनिकेशन, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै

सेंटर ऑफ साइंस कम्युनिकेशन (सीएससी), देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इंदौर
www.dauniv.ac.in

इंडियन साइंस कम्युनिकेशन सोसाइटी
www.iscos.org

इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
www.lkouniv.ac.in

नेशनल काउंसिल फॉर साइंस म्यूजियम (एनसीएसएम), कोलकाता
www.ncsm.gov.in

माखनलाल चतुर्वेदी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन, भोपाल
www.mcu.ac.in

## विदेश शिक्षा

### पीएचडी फेलोशिप फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट्स

**आवेदन की अंतिम तिथि : 15 जुलाई, 2013**

**यदि** आप जर्मनी के हेडेलबर्ग विश्वविद्यालय में अध्ययन करने के इच्छुक हैं तो आपको वहां पीएचडी में अध्ययन करने के दौरान फेलोशिप मिल सकती है। हर्टमूट हॉफमान-बर्लिंग इंटरनेशनल ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मॉलिक्युलर एंड सेल्युलर बायोलॉजी (एचबीआईजीएस) हर साल दस छात्रों को विभिन्न विषयों के छात्रों को फेलोशिप देता है। तीन वर्षीय इस फेलोशिप के तहत 1,468 यूरो प्रति मास आर्थिक सहायता दी जाती है। जो भी छात्र आवेदन करना चाहते हैं, उनकी अंग्रेजी काफी अच्छी होनी चाहिए। जिन-जिन विषयों की पढ़ाई एचवीआईजीएस में होती है, उन्हीं विषयों के छात्रों को फेलोशिप सुविधा उपलब्ध है।

**योग्यता**

वे ही छात्र आवेदन करें जिनके पास यूनिवर्सिटी की डिग्री हो और उस डिग्री की मान्यता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो। डिग्री की मान्यता अभ्यर्थी के देश पर निर्भर करती है, वह मास्टर डिग्री या डिप्लोमा भी हो सकता है। अभ्यर्थियों से उम्मीद की जाती है कि पीएचडी के प्रोजेक्ट वर्क शुरू होने से पहले संबंधित सर्टिफिकेट जमा कर दें। इस फेलोशिप के लिए आवेदन ऑनलाइन ही किया जा सकता है।

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें : www.hbigs.uni-heidelberg.de/

### टीडब्ल्यूएएस-यूएसएम पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप प्रोग्राम

**मलयेशिया** स्थित सेन्स यूनिवर्सिटी के नेचुरल साइंसेज में पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप प्राप्त करना चाहते हैं तो इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इस फेलोशिप की न्यूनतम अवधि 12 महीने से लेकर तीन साल की है। यूएसएम रहने-खाने के लिए स्टैंडर्ड मासिक अलाउंस मुहैया कराएगा। यह फेलोशिप सिर्फ नेचुरल साइंसेज के छात्रों को दिया जाएगी।



**योग्यता**

- अभ्यर्थी विकासशील देश का हो।
- उसके पास मलयेशिया या किसी दूसरे विकासशील देशों का अस्थायी या स्थायी वीजा न हो।
- नेचुरल साइंस के जुड़े विषय में पीएचडी डिग्री हो।
- पीएचडी डिग्री हासिल करने के पांच साल के भीतर ही अभ्यर्थी इस फेलोशिप के लिए आवेदन कर सकता है।
- विकासशील देशों में (मलयेशिया को छोड़कर) अभ्यर्थी स्थायी नौकरी कर रहा हो और वहां वह रिसर्च असाइनमेंट से जुड़ा हो।

**आवेदन**

अभ्यर्थी को आवेदन यूएसएम डिपार्टमेंट में जमा करना होगा। साथ ही, उन्हें रिफ्रेंस लेटर भी जमा करना होगा।

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें :
twas.ictp.it/prog/exchange/fells/fells-pdoc/usm-pdoc

**आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितम्बर, 2013**

### न्यूकैसल यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप

**जिन** छात्रों का सपना ब्रिटेन में उच्च शिक्षा ग्रहण करने का है लेकिन पैसे की तंगी के कारण अपने सपनों को साकार करने में सक्षम नहीं हैं, वे ब्रिटेन स्थित न्यूकैसल यूनिवर्सिटी में एडमिशन ले सकते हैं क्योंकि यहां छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप उपलब्ध हैं। यहां पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री के छात्रों को स्कॉलरशिप के तौर पर 2,000 पौंड की मदद दी जाएगी। अंग्रेजी में अच्छे स्कोर एवं मेरिट के आधार पर अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को 500 पौंड की आर्थिक मदद दी जाती है। इसके अलावा, दूसरे विषयों के छात्रों को 1,000 से 1,500 पौंड की छात्रवृति प्रदान की जाती है। यूनिवर्सिटी ने इस साल आर्किटेक्चर, कम्युनिकेशन, लॉजिस्टिक्स, एग्रीकल्चर और बायोमेडिसिन में छह नए पोस्ट ग्रेजुएट एवं रिसर्च प्रोग्राम की भी घोषणा की है जिसे 12 महीने में पूरा किया जा सकता है। अगर किसी आवेदक की प्रथम भाषा अंग्रेजी नहीं है तो उन्हें इसके लिए आईईएलटीएस परीक्षा देनी होगी। पाठ्यक्रम की जरूरत के अनुसार अंक प्राप्त करने होंगे। अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें-
www.ncl.ac.uk/international/finance/scholarships.htm

■

## भविष्य को लिफ्ट कराए

# लिफ्ट टेक्नोलॉजी

**दिन-प्रतिदिन बढ़ती हाईराइज बिल्डिंग के कारण लिफ्ट की मांग तेजी से बढ़ी है। आजकल ज्यादातर शहरों में हाईराइज बिल्डिंग, मॉल्स, मल्टीप्लेक्स व शो रूम कल्चर भी इस मांग का कारण हैं। लिफ्ट में आई खराबी को ठीक करने वाले प्रोफेशनल को लिफ्ट टेक्नीशियन या लिफ्ट मैकेनिक कहा जाता है। ये लिफ्ट के साथ-साथ एस्केलेटर, एलिवेटर, चेयरलिफ्ट व अन्य ट्रांसपोर्ट उपकरणों की देखभाल व मरम्मत का काम कामर्शियल, इंडस्ट्रियल व रेजिडेंशियल बिल्डिंग में करते हैं। इनका काम लिफ्ट के इंस्टॉलेशन, फिटिंग, टेस्टिंग व मेंटीनेंस करना होता है। ये लिफ्ट जैसे उपकरणों के संचालन में अपना योगदान देते हैं। ये अपने काम को इलेक्ट्रिकल सिस्टम से कंट्रोल करते हैं। इनका काम काफी जोखिम भरा होता है**

### योग्यता

इसमें डिप्लोमा या फिर सर्टिफिकेट कोर्स कराया जाता है। लिफ्ट टेक्नोलॉजी कोर्स एक साल का होता है जबकि लिफ्ट मैकेनिक क्रॉफ्टमैन ट्रेनिंग कोर्स की अवधि दो साल की होती है। इसके अलावा, कुछ शिक्षण संस्थान छह महीने का ट्रेनिंग कोर्स भी कराते हैं। इसमें प्रवेश लेने के लिए कम से कम दसवीं या बारहवीं पास होना जरूरी है।

आईटीआई में प्रवेश लेकर इन पाठ्यक्रमों को पूरा किया जाता है। इसके अंतर्गत इन ऑटोमैटिक उपकरणों की सर्विसिंग, इंस्टॉलेशन, डिजाइन आदि के बारे में स्टूडेंट को सिखाया जाता है।



### व्यक्तिगत गुण

- व्यक्ति को इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट के बारे में अच्छी जानकारी होनी चाहिए।
- लिफ्ट को बनाने व उसकी समस्या समझने में भी रुचि होनी जरूरी है।
- धैर्य की जरूरत होती है।
- कंप्यूटर स्किल्स होना भी काफी जरूरी है।
- टीमवर्क में महारथ होना चाहिए।
- कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छा होना चाहिए।
- इन्हें हैंड टूल्स जैसे, स्क्रू ड्राइवर, कटिंग टूल्स, वेल्डिंग आदि उपकरणों से फेमिलियर होना चाहिए।
- इसके अलावा, इन उपकरणों के मेंटिनेंस की भी अच्छी जानकारी जरूरी है।

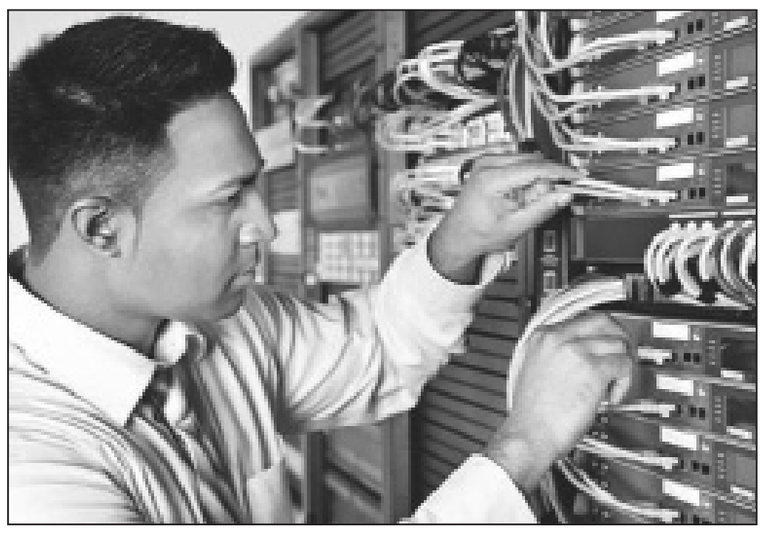

### नौकरियां

कोर्स करने के बाद आप अपना स्वयं का लिफ्ट या एलीवेटर का फर्म खोल सकते हैं। इसके अलावा, कॉमर्शियल ऑफिस, बिल्डिंग, यूनिवर्सिटी, हॉस्पिटल, एलिवेटर, सर्विस कंपनी, होटल, मल्टीस्टोरी बिल्डिंग, एयरपोर्ट, फैक्टरी आदि में नौकरी की तलाश कर सकते हैं। इन उपकरणों की निर्माण करने वाली कंपनियों में भी अच्छा ऑप्शन मिल सकता है। इसके अलावा, शिक्षण संस्थान में बतौर प्राध्यापक भी नौकरी की तलाश कर सकते हैं।

### आमदनी

शुरुआत में आठ से दस हजार की सैलरी पर नौकरी की तलाश की जा सकती है, जो अनुभव के आधार पर बढ़ती रहती है। इस सेक्टर में विदेश में भी अच्छी खासी मांग है, जहां पचास से एक लाख रुपये मासिक सैलरी हो सकती है।

### शिक्षण संस्थान

लिफ्ट टेक्नीशियन व मैकेनिक्स पाठ्यक्रम आईटीआई व नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी व अन्य प्राइवेट संस्थानों से पूरा किया जा सकता है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ लिफ्ट टेक्नोलॉजी, बेंगलुरू

इंस्टीट्यूट ऑफ एलिवेटर एंड लिफ्ट टेक्नोलॉजी, हैदराबाद

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ लिफ्ट टेक्नोलॉजी, केरला

जाजू इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर, अजमेर

■ अर्चना तिवारी

## एडमिशन अलर्ट

**गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर**
वेबसाइट-www.gndu.ac.in
पाठ्यक्रम- एमआर्क इन अर्बन डिजाइन
योग्यता- 50 प्रतिशत अंकों के साथ बीआर्क
**अंतिम तिथि- 04 जुलाई**

**नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन, हैदराबाद**
वेबसाइट-www.ninindia.org
पाठ्यक्रम- एमएससी इन अप्लायड न्यूट्रिशन
योग्यता- एमबीबीएस या बीएससी इन न्यूट्रिशन या बीएससी इन होम साइंस या बीएससी इन नर्सिंग या बीएससी इन बायोकेमेस्ट्री
**अंतिम तिथि- 12 जुलाई**

**इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रेवल मैनेजमेंट, भुवनेश्वर**
वेबसाइट-www.iittm.org
पाठ्यक्रम- पीजी डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट
योग्यता- ग्रेजुएट
**अंतिम तिथि- 12 जुलाई**

**राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी, रायबरेली**
वेबसाइट-www.sgpgi.ac.in
पाठ्यक्रम- बीटेक इन पेट्रोलियम इंजीनियरिंग
योग्यता- 60 प्रतिशत अंकों के साथ इंटरमीडियट। विषय के रूप में मैथ्स जरूरी
**अंतिम तिथि- 15 जुलाई**

**संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, लखनऊ**
वेबसाइट- www.rgipt.ac.in
पाठ्यक्रम- डिप्लोमा इन नर्सिंग इनफोर्मेटिक्स
योग्यता- नर्सिंग में डिप्लोमा या बैचलर डिग्री
**अंतिम तिथि- 07 जुलाई**

**धीरुभाई अंबानी इंस्टीट्यूट ऑफ इनफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, गांधीनगर**
वेबसाइट-www.daiict.ac.in
पाठ्यक्रम- बीटेक इन इनफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी
योग्यता- साइंस स्ट्रीम में इंटरमीडियट। विषय के रूप में मैथ्स जरूरी
**अंतिम तिथि- 05 जुलाई**

**यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे**
वेबसाइट-www.unipune.ernet.in
पाठ्यक्रम- एमएड
योग्यता- बीएड
**अंतिम तिथि- 06 जुलाई**

**भारती विद्यापीठ, पुणे**
वेबसाइट-www.bvuniversity.edu.in
पाठ्यक्रम- एलएलएम
योग्यता- 50 प्रतिशत अंकों के साथ एलएलबी
**अंतिम तिथि- 13 जुलाई**

**जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पांडिचेरी**
वेबसाइट-www.jiomer.edu
पाठ्यक्रम- एमएससी इन नर्सिंग
योग्यता- बीएससी इन नर्सिंग
**अंतिम तिथि- 11 जुलाई**

**बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ**
वेबसाइट-www.bbau.ac.in
पाठ्यक्रम- एमबीए इन रुरल मैनेजमेंट
योग्यता- 50 प्रतिशत अंकों के साथ ग्रेजुएट
**अंतिम तिथि- 10 जुलाई**

■ प्र. प्रवीण